हृदय और धड़कन

वर्ष-2, अंक-19, जुलाई 20, 2011

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

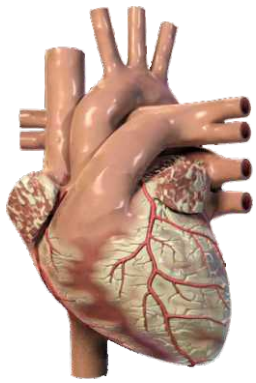

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अनिश चंदाराणा
(M) +91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक
(M) +91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता
(M) +91-99250 45780
डॉ. जोयल शाह
(M) +91-98253 19645
डॉ. रवि सिंघवी
(M) +91-98251 43975
डॉ. गुणवंत पटेल
(M) +91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख
(M) +91-98250 66664
डॉ. मिलन चग
(M) +91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह
(M) +91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी
(M) +91-98250 30111

कार्डियक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह
(M) +91-98255 75933
डॉ. धवल नायक
(M) +91-90991 11133

पिडियाट्रिक और एडल्ट कार्डियक सर्जन

डॉ. शौनक शाह
(M) +91-98250 44502

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार
(M) +91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया
(M) +91-95863 75818

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ
(M) +91-99246 12288
डॉ. मिलन चग
(M) +91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया
(M) +91-90999 87400

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक
(M) +91-98250 82666

धमनियों के अन्दर की शुष्कता

धमनियों में जो चरबी और क्षार जम जाते हैं, उसे एथरोस्क्लेरोसिस (Atherosclerosis) कहते हैं। यह बढ़ती हुई उम्र के साथ होने वाली एक स्वभाविक प्रक्रिया है। इसमें चरबी, कोलेस्ट्रोल, रक्तकोष आदि धमनियों की अन्दर की सतह पर जमा हो जाने के कारण धमनियाँ कठोर और संकरी हो जाती हैं। समस्त व्यक्तियों में बचपन से ही यह प्रक्रिया शुरु हो जाती है, पर यह क्रिया कुछ व्यक्तियों में धीरे-धीरे और कुछ व्यक्तियों में शीघ्रता से आगे बढ़ती है। जब ऐसा हृदय की धमनियों में होता है, तब उस व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ने की सम्भावना हो जाती है।

> किसी भी मनुष्य की तंदरुस्ती उसकी धमनियों की तंदरुस्ती के समान होती हैं।

इस चरबी की परत धीमे-धीमे जमती जाती है और धमनी के अन्दर रक्त के बहने की जगह कम होती जाती है, जिससे हृदय को पूरी मात्रा में रक्त मिलना बंद हो जाता है। रोगी की छाती में दर्द होता है और घबराहट होती है। इसे एन्जाईना कहते है। शुरु में परिश्रम करने से (जैसे ज्यादा वजन उठाने से अथवा सीढ़ियाँ चढ़ने से) दर्द होता है। तत्पश्चात् धमनी के अन्दर चरबी की और रक्तकणों की परत जम जाने से धमनी के अन्दर कम हुई जगह में और कमी हो जाती है। यदि धमनी के अन्दर की जगह पूरी तरह से भर जाये तो उस व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ता है।

धीरे-धीरे बढ़ता हुआ अवरोध ज्यादा अच्छा

हृदय की धमनी धीरे-धीरे बंद होती है तो ज्यादा अच्छा होता

शेष... पेज-३

एथरोस्क्लेरोसिस (Atherosclerosis) से बंद होती धमनी का दृश्य

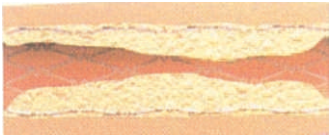

उपरोक्त धमनी का अवरुद्ध दृश्य

केयर इन्स्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज अहमदाबाद शहर के हृदय पटल पर 150 शय्याओ वाला एक अद्वितीय, अति आधुनिक, बहु विशिष्ट, अस्पताल है ।

सीम्स विभाग

- अेनेस्थेसियोलॉजी
- आर्थरोस्कोपी और स्पोर्टस मेडिसीन
- केन्सर का ईलाज
- कार्डियोलॉजी
- कार्डियो-थोरेसिक सर्जरी
- कोस्मेटोलोजी
- क्रिटीकल केयर
- डेन्टिस्ट्री (दंत चिकित्सा)
- ई.एन.टी.
- फेमिली मेडिसीन
- गर्भस्थ शिशु चिकित्सा
- पेट, आंते और कलेजेकी बिमारीयों का ईलाज और सर्जरी
- जनरल सर्जरी
- गायनेकोलॉजी और ओब्स्टेट्रीक्स (स्त्री रोग विभाग)
- हाइ-रिस्क प्रेग्नेन्सी युनिट (प्रसुति विभाग)
- हिमेटो ओन्कोलोजी (केन्सर और रक्तकी बिमारीयाँ)
- हेल्थ चेकअप
- संक्रमण रोग और एच.आई.वी. संबंधित बिमारीयां
- इन्टरनल मेडिसीन
- जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जरी (जोडो को बदलने की सर्जरी)
- लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
- निओनेटोलॉजी (नवजातशिशु) और पिडियाट्रिक्स (बच्चो की बीमारीयां)
- नेफ्रोलॉजी (किडनी की बिमारीयों)
- न्युरोलॉजी (मस्तिष्ककी बिमारीयाँ)
- न्युरोसर्जरी
- ओबेसीटी मेनेजमेन्ट (मोटापे का उपचार)
- ओन्कोलॉजी और ओन्को सर्जरी
- ओप्थेमोलॉजी (आंख्र की बीमारीयाँ)
- ओर्थोपेडिक्स
- दर्द निवारण क्लिनिक
- पेथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी
- पिडियाट्रिक सर्जरी (बच्चो की बीमारीयों की सर्जरी)
- फिजियोथेरेपी और रिहेबिलीटेशन
- प्रिवेन्टीव हेल्थ केयर
- पल्मोनोलॉजी (फेफडोकी बिमारीयाँ)
- रेडियोलॉजी
- स्लीप मेडिसिन
- स्पाइन सर्जरी (रीढ़ की बीमारीयाँ)
- ट्रोमा का ईलाज
- युरोलॉजी (कीडनी और प्रोस्टेटकी बिमारीयाँ)
- वास्क्युलर सर्जरी

पेज-१ का शेष...

है क्योंकि ऐसा होने से वैकल्पिक धमनियाँ (वैकल्पिक आर्टरीज़) अपने आप कार्यरत हो जाती हैं और रक्त से वंचित भागों को रक्त पहुंचाने की क्रिया जारी रहती है।

कभी-कभी हृदय की धमनी के अन्दर रक्त चाप बढ़ने के कारण, तनाव से, तम्बाकू में होने वाले निकोटिन से अथवा अधिक क्रोध से जमी हुई चरबी का छोटा-सा टुकड़ा टूट जाता है और धमनी अचानक बंद हो जाती है। इस प्रकार की घटनाओं के कारण अचानक दिल का दौरा पड़ जाता है जो गम्भीर हो सकता है। एथरोस्कलेरोसिस भले ही दूर न किया जा सके, पर रक्त में चरबी की मात्रा को सीमित रखकर उसे बढ़ने से रोका जा सकता है।

बंद नलियों का परिणाम, एन्जायना

बारबार होने वाले छाती के दर्द और घबराहट को 'एन्जायना पेकटोरिस' के नाम से जाना जाता है। सामान्य रुप से यह थोड़ी देर ही रहता है। ज्यादातर लोगों में यह छाती के बीच में, पसलियों के पीछे होता है।

एन्जायना यानि छाती में भार,तंगी महसूस होना, बहुत ज्यादा दर्द, जलन, दबाव अथवा दम घुटता हो ऐसा महसूस होना। कभी-कभी तो यह दर्द बांह, गले और जबड़े तक फैल जाता है। जिससे कंधे, बांह और कलाई में संवेदन शून्यता भी आ सकती है।

कुछ लोगों में दर्द की तीव्रता कम होती है और लम्बे समय तक भी चलती है, और छाती के सिवाय अन्य जगह जैसे कंधा, जबड़ा अथवा पीठ में होती है। एन्जायना में कुछ रोगियों का साँस चढ़ जाता है और चक्कर आते हैं।

एन्जायना का कारण है रक्त की सप्लाई में कमी होना और जिसके कारण ऑक्सीजन और पोषण तत्वों की भी कमी होता है। जब हृदय में ऑक्सीजन की जरुरत बढ़ती है तो उस समय ऑक्सीजन पहुँचाने में वे रक्तवाहिनियां असमर्थ होती हैं। कसरत करने से अथवा खुशी के कारण आवेश में आने से एन्जायना ज्यादा बढ़ जाता है।

धीरे धीरे होने वाली प्रगति

एन्जायना और दिल के दौरे में दोनों रोगों की जड़ एक जैसी ही होती है यानि हृदय को सम्पूर्ण रक्त नहीं मिलता, फिर भी दोनों रोगों में अन्तर है।

एन्जायना : रक्त की अस्थायी कमी

जब हृदय को ज्यादा काम करना पड़ता है, तब उसे ज्यादा रक्त की जरुरत पड़ती है। एन्जायना में रक्तवाहिनियाँ अन्दर से संकरी हो जाती हैं जिससे इसमें से बहने वाले रक्त के लिए जगह घट जाती है। इस के कारण थोड़ा श्रम करने से अथवा थोड़ी कसरत करने से हृदय को जरुरत से कम रक्त मिलता है। इस कारण छाती में घबराहट और दर्द होता है। परंतु इससे हृदय की मांसपेशियों को कोई भी स्थायी नुकसान नहीं पहुंचता है।

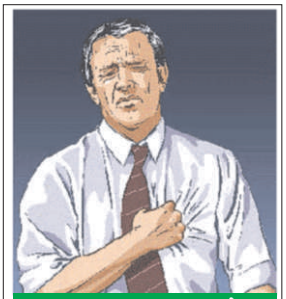

एन्जायना : असह्य दर्द,

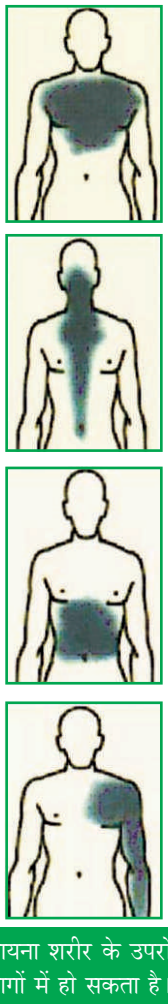

एन्जायना शरीर के उपरोक्त भागों में हो सकता है।

दिल का दौरा; रक्त की अचानक व स्थायी कमी

कभी-कभी हृदय की एकाध धमनी में अवरोध आ जाने से हृदय के किसी भाग को रक्त की सप्लाई अचानक बंद हो जाती है। सामान्य भाषा में इसे दिल का दौरा कहते हैं। इससे होने वाले

छाती के दर्द में बहुता अधिक तीव्रता होती है और लम्बे समय तक चलती है। दिल का दौरा पड़े और उसका इलाज तुरन्त न किया जाय तो हृदय को हमेशा के लिए नुकसान पहुंचता है और संभवतः मृत्यु भी हो सकती है।

स्थिर (स्टेबल) व अस्थिर (अनस्टेबल) एन्जायना

एन्जायना के दो प्रकार होतें हैं स्थिर एन्जायना व अस्थिर एन्जायना,

- स्थिर (स्टेबल) एनजायना में आराम करने से या दवा लेने से आराम मिलता है।
- अस्थिर (अनस्टेबल) एन्जायना में बार बार छाती में दर्द व घबराहट हाती है व काफी लम्बे समय तक चलती है और दवा लेने के बाद भी पूरा आराम नहीं मिलता है।

कभी कभी स्थिर एन्जायना अस्थिर एन्जायना में परिवर्तित हो जाता है और रोगी की हालत ज्यादा बिगड़ जाती है।

एन्जायना का निदान किस तरह होता है?

कई बार निदान पहले हुई तकलीफ व उसके लक्षणों से किया जा सकता है। कई बार शरीर की जांच इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ई.सी.जी.) और स्ट्रेस टैस्ट (ट्रेडमिल) से पता चलता है।

कभी–कभी ही ऐसा होता है कि एन्जायना का निदान पहले हुई तकलीफ, लक्षण, ई.सी.जी. और स्ट्रैस टैस्ट से भी नहीं हो

केथ प्रयोगशाला
(Cardiac Catheterisation Laboratory)
सर्वोत्तम तकनीक

सके, इस प्रकार के केस में डोब्युटामाइन स्ट्रेस ईको या थेलियम स्केन किया जाता है।

इन दोनो जांचों में हृदय को मिलते रक्त की कमी के विषय में सूचना मिलती है।

पर हृदय की रक्तवाहिनियों का सजीव (live) चित्रण (कोरोनरी एन्जियोग्राफी) सबसे अच्छी जांच कहलाती है, इसमें एक्स-किरणों (X - Rays) के चित्रों की मदद से हृदय की धमनियों में चलती दवा दिखती है और कोई धमनी सिकुड़ गई हो तो वो भी साफ - साफ दिखती है।

हर वर्ष की तरह पप्पूभाई की जांच के दौरान डॉक्टर ने उन्हें खिड़की में से टेढ़ा होकर जीभ बाहर निकालने को कहा.

'मुझे हर साल आप ऐसा करने को कहतें है, पर अब तक मुझे पता नहीं चला है कि ऐसा मुझे क्यूं करना पड़ता है?' पप्पूभाई ने पूछा।

'इसका कोई खास कारण नहीं है,' डॉक्टर ने कहा 'सामने की ऑफिस वाला डॉक्टर मुझे अच्छा नहीं लगता, इसलिए मैं सबको उसके सामने जीभ निकालने का कहता हूं।

एन्जायना का इलाज (अपने डॉक्टर की सलाह के अनुसार लें)

नाइट्रोग्लिसरीन (नाइट्रेट्स) एन्जायना में आराम देने के लिए एक उत्तम दवा है। यह हृदय की धमनियों को चौड़ा कर रोगी को आराम देती है, यह, जीभ के नीचे रखकर पिघलने वाली छोटी-छोटी गोंलिओं के रूप में मिलती हैं। यह गोलियां सस्ती व असरदार है। यह दवाईयां जितनी ताजी हो उतना अच्छा हो। एन्जायना के रोगी को इन दवाईओं को सदा अपने पास रखना चाहिए। इसकी मात्रा डॉक्टर की सलाह अनुसार ही लें। कुछ नाइट्रेट्स सटकी भी जा सकती है और इनका असर लम्बे समय तक रहता है।

एन्जायना की सम्भावना वाले किसी भी काम, जैसे कि तैरना (स्वीमिंग), तेज चलना, आदि को करने से पहले एक गोली लेना लाभदायक है। अगर हर ५ मिनट में एक गोली (या १५ मिनट में ३ गोली) लेने से भी एन्जायना में आराम नहीं मिले, तो जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी किसी नजदीकी अस्पताल के आपात्कालीन सेवा विभाग में भर्ती हो जाना चाहिए।

नाइट्रोग्लिसरीन के अलावा एन्जायना के रोगियों को एस्परिन और क्लोपिडोग्रेल भी दी जाती है। इसके अलावा स्टेंटीन्स, बीटा - ब्लोकर तथा चेनल ब्लोकर प्रकार की दवाएं भी एन्जायना में उपयोग में ली जाती है।

यदि दवाईओं से एन्जायना में आराम न हो तो आपके डॉक्टर आपको एनजियोग्राफी और बाद में एन्जियोप्लास्टी अथवा बाय-पास सर्जरी (इसके विषय में जानकारी बाद में) कराने की सलाह देंगे।

एक रोगी हैं रंजन बहन। थोड़ा ज्यादा चलने से उनका पैर सूज गया। डॉक्टर को फीस न देनी पड़े इस कारण से रंजन बहन ने डोक्टर से फोन पर अपने सूजे हुए पैर के लिए सलाह मांगी।

जांच किए बिना रोगी को दवा नहीं दी जानी चाहिए, इसलिए डॉक्टर ने उन्हें गरम पानी में पांव रखने का कहा।

गरम पानी से रंजन बहन को फायदा नहीं हुआ, उनके पैर ज्यादा सूज गए और दर्द भी बढ़ गया। उनको लंगड़ाता देख उनकी काम वाली बाई ने उन्हे ठंडे पानी में पांव रखने को कहा, और इससे उन्हें फायदा हुआ। उन्होंने तुरंत डॉक्टर को फोन किया, 'आप किस तरह के डॉक्टर हैं? आपने तो मुझे गरम पानी में पांव रखने को कहा था और इससे सूजन बढ़ गई। मेरी काम वाली बाई ने मुझे ठंडे पानी में पांव रखने की सलाह दी और मुझे आराम पड़ गया।'

'ओ हो! मुझे तो पता ही नहीं चलता कि ऐसा कैसे हो सकता है, मेरी काम वाली बाई ने तो साफ - साफ कहा था कि गरम पानी में ही पांव रखने चाहिए!' डॉक्टर ने स्पष्ट किया।

बायपास सर्जरी के बाद पैदल वैष्णोदेवी एवं केदारनाथ यात्रा

मेरी बायपास सर्जरी जून, 2009 में हुई । उसके एक साल बाद जुन-जुलाई, 2010 में, मै और मेरी पत्नी दोनो ने अमरनाथ और वैष्णोदेवी की यात्रा संपूर्ण स्वस्थ मन और शरीर से की । पहेलगाम से अमरनाथ टट्टु (खच्चर) पर गये पर उसके आगे टट्टु नही जाते इसलिए पंचतरण से अमरनाथ गुफा 1.5 किमी बर्फ में चलकर गए और बाबा अमरनाथ के (गुफा में सफेद कबुतर सहित) शांति से दर्शन किये । अमरनाथ यात्रा के बाद हम वैष्णोदेवी 14 किमी (आने-जाने का 28 कि.मी.) चल के सुबह गये और शाम को भी चल के वापस आये । यात्रा के दौरान थोडी सी भी थकान महसुस नही हुई और किसी भी चीज की आवश्यकता भी नही पडी ।

मई, 2011 में हम चारधाम (उत्तराखंड) की यात्रा पर गए (गंगोत्री, यमनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ) केदारनाथ की यात्रा १४ कि.मी. (आने-जाने का 28 कि.मी.) चल के पूरी की । इस चारधाम यात्रा में मेरी तबीयत बिल्कुल अच्छी रही, इसलिए प्रसन्न मन से इस यात्रा का आनंद लिया ।

उपरोक्त दोनो यात्रा सफल रही इसके पीछे संपूर्णतः प्रभुकृपा है । उपरोक्त चारधाम यात्रा के पहले दिनांक 23-1-2011 के दिन जी.डी. मोदी विद्या संकुल, पालनपुर, मीनी-मेरेथोन दोड रखी थी उसमें सिनियर सिटीजन को 3 किमी दोड़ना होता है । 12 लोगो ने इसमें हिस्सा लिया । इसमें प्रभुकृपा से मेरा दूसरा नंबर आया ।

- मुकेश ठाकर

सीम्स अस्पताल में उपलब्ध कार्डियाक सेवाएं

नोन इन्वेझिव कार्डियोलॉजी

- ईसीजी
- ट्रेड मील टेस्ट (TMT)
- 2-डी और 3-डी इको व डॉप्लर
- एडीनोसाइन और डोब्युटामाइन स्ट्रेस 2-डी इको
- ट्रान्सइसोफेजिअल इकोकार्डियोग्राफी (TEE)
- होल्टर मोनिटर
- २४ घंटे एम्ब्युलेटरी ब्लड प्रेशर मोनिटरिंग
- इवेन्ट रेकोर्डस और किंग ओफ हार्ट लूप मोनिटर
- टिल्ट टेबल टेस्ट/हेड अप टिल्ट टेस्ट
- SAECG
- नोन-इन्वेझिव इपी स्टडी (NIEPS)

इलेक्ट्रोफिजियोलोजी प्रक्रिया

- कार्डियाक एरेथिमिया के निदान के लिए इलेक्ट्रोफिजियोलोजी स्टडीझ (EPS) (परंपरागत और त्रिपरिमाणिय एरेथिमियास के लिए)
- संदिग्ध कार्डियाक एरेथिमियास के लिए रेडियोफ्रिकवन्सी एब्लेशन्स (3D-Carto)
- पेसमेकर
- हार्ट फेल्यर के लिए बाइवेन्ट्रिक्युलर पेसिंग (कार्डियाक रिसिन्क्रोनाइझेशन थेरापी)
- ओटोमेटिक इम्प्लान्टेबल कार्डियोवर्टर डिफ्रिबिलेटर (AICD) इम्प्लान्टेशन
- कोम्प्रिहेन्सिव डिवाइस फोलो अप क्लिनिक (पेसमेकर, CRT, AICD)

इन्टरवेन्शनल कार्डियोलॉजी सेवाएं

- ऐन्जियोग्राफी
- एन्जियोप्लास्टी और स्टेन्ट्स (सिर्फ युएस एफडीए प्रमाणित स्टेन्टका इस्तिमाल)
- बलून वाल्व्युलोप्लास्टी (सब वाल्व)
- बलून वाल्व्युलोप्लास्टी : हृदय, मगज, किडनी और पैरकी धमनीयोकी
- जन्मजात हृदयकी बिमारिओ के लिए बिना ऑपरेशनका ईलाज
- कार्डियोमायोपेथीकी सारवार

कार्डियक सर्जरी

- बायपास सर्जरी
- कमजोर और चौडे हृदय के लिये विशेष सर्जरी (SVR)
- मीनीमल इन्वेझीव कार्डियाक सर्जरी (MICS)
- वाल्व रिपेयर सर्जरी
- एन्युरिझम सर्जरी
- अेओरेटीक रुट रिप्लेसमेन्ट
- पिडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी
- दिमाग और हाथ-पैर की धमनीओकी सर्जरी

सीम्स अस्पताल में उपलब्ध बाल हृदयरोग विभाग (Pediatric Cardiology Department) सेवाएं

बाल हृदयरोगकी जांचकी सेवाएं

- बाल हृदयरोग का निदान और ईलाज
- नवजात शिशु और बालक के लिये आइसीयु (हाइ फ्रिक्वेन्सी वेन्टीलेटर के साथ)
- बच्चो की इकोकार्डियोग्राफी की जांच के लिये उच्चत्तम कक्षा के मशीन (Live 3D Echo)
- बच्चो में ट्रान्स इसोफेजिअल इकोकार्डियाग्राफी (TEE) की सुविधा
- गर्भस्थ शिशु के हृदय संबंधी जांच और उपचार (फीटल इको)
- बच्चो में हाइ ब्लड प्रेशर / धड़कन की अनियमितता / हार्ट फेल्योर का ईलाज

बाल हृदयरोग इन्टरवेन्शनल प्रोग्राम

- जन्मजात बिमारी के लिए ऑपरेशन के बिना (एन्जियोप्लास्टी और Device Closure) ईलाजकी सुविधाए
- बच्चो के लिए केथलेब और आइसीयु की सुविधाएं
- बच्चो की इलेक्ट्रोफीजियोलोजी जांच, रेडीयो फ्रिक्वेन्सी एब्लेशन और पेसमेकर की सुविधा

बाल हृदयरोग सर्जरी विभाग

- बच्चे और नवजात शिशु की हृदयकी सभी सर्जरी के लिए विशेषज्ञ टीम
- ऑपरेशन के बाद उच्चत्तम स्तर का आइसीयु ईलाज
- अत्याधुनिक जीवनरक्षक प्रणाली से उपचार की व्यवस्था

केयर इन्स्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

सीम्स स्वास्थ्य मेला

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स हॉस्पिटल अपने राजस्थान के मरीजो के लिये स्वास्थ्य मेले का आयोजन कर रहा है ।

उदयपुर - सितंबर 25, 2011, रविवार, सुबह 9 बजे से

जोधपुर - अक्टुबर 2, 2011, रविवार, सुबह 9 बजे से

स्वास्थ्य मेले का स्थान अगले अंक में प्रकाशित किया जायेगा ।

स्वास्थ्य मेले में उपलब्ध सेवाएं

- कार्डियोलोजी (हृदय संबंधित बीमारीया)
- कार्डियाक सर्जरी
- पीडियाट्रीक कार्डियोलॉजी (बच्चो की हृदय संबंधीत बीमारीया)
- क्रीटीकल केयर
- जोइन्ट रीप्लेसमेन्ट (जोडो को बदलने की सर्जरी)
- नियोनेटोलोजी एवं बाल चिकत्सा
- ट्रोमा का ईलाज (आकस्मिक ज़ख्म)
- जनरल सर्जरी
- न्युरोलॉजी (मस्तिष्कको बिमारीयाँ)
- न्युरोसर्जरी
- ओबेसीटी मेनेजमेन्ट (मोटापे का उपचार)
- ओन्कोलॉजी और ओन्को सर्जरी
- ओर्थोपेडिक्स
- पिडियाट्रिक सर्जरी (बच्चो की बीमारीयों की सर्जरी)
- गायनेकोलॉजी और ओब्स्टेट्रीक्स (स्त्री रोग)
- डेन्टिस्ट्री (दंत चिकित्सा)

सौजन्यः
सीम्स हॉस्पिटल और
राजस्थान पत्रिका

इस स्वास्थ्य मेले में इसीजी, इको, रक्त की जांच राहत दर पर की जायेगी

ज्यादा जानकारी के लिये सुबह 9.00 से 5.00 तक +91-9825108257, 9825376321 पर संपर्क किजिए

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Permitted to post at MBC, Navrangpura, Ahmedabad-380009 on the 27th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2010-2012 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2012

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

हृदयकी सर्जरी सिर्फ 3-4 इंच चीरे के द्वारा

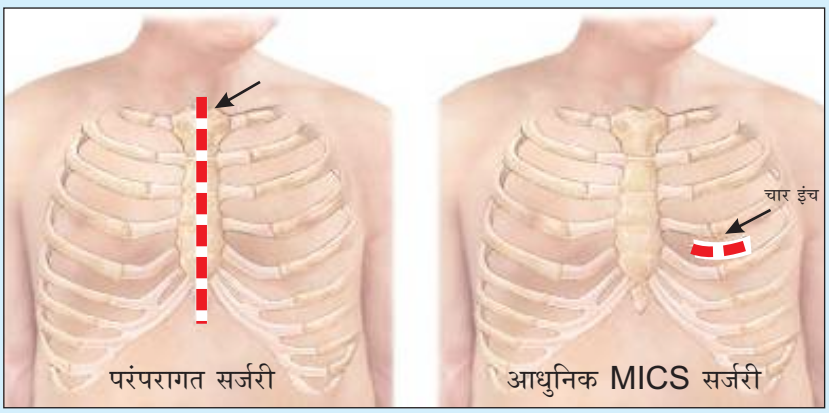

मीनीमली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी (MICS)

MICS के आधुनिक साधनोसे सुसज्जित
पश्चिम भारत की प्रथम अस्पताल

इस हृदय रोग सर्जरी (MICS) के फायदे:

- तुरंत रीकवरी
- जल्दी डिस्चार्ज
- कम दर्द
- कॉस्मेटीक फायदा

क्लास 100 लेमीनार एरफ्लो
मॉड्युलर ऑपरेशन थियेटर्स

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008 मोबाईल :+91-90990 66540
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) मोबाईल : +91-98250 66664, 98250 66668
इमेल : info@cims.me वेब : www.cims.me

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षीने सीम्स अस्पताल की और से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।